

10/1/26

अभिभाषक सच द्वारा काम स्थागित कर रखा है। पी. ओ. सावर अन्य काय च्यस्त हैं। पत्रावली वास्तु टिनाक 20/2/26 भ्रम हो।

26/2/26

पत्रावली प्राप्त। वकील वाही अप0। पत्रावली वास्तु तलकी कि 7/4/26 को प्रेषा हो।

7/4/26

पत्रावली प्राप्त। वकील वाही अप0। पत्रावली वास्तु तलकी कि 7/5/26 को प्रेषा हो।

24/4/26

पत्रावली प्राप्त का प्रेषा का प्रेषा होने पर प्रेषा कि भी गर्द। वकील वाही कि एक प्रेषा अपना दावा विद्वा काने को प्रेषा जिना। जिस पर सुना जाता। बाद सुनवाई वकील वाही को अपना वाद, अपने नये वाद लाने के अधिका को सुनिश्चित रखते हुए विद्वा काने की अनुमति प्रदान की जाती है अतः वाही का वाद विद्वा काने के आधार पर इसी स्तर पर खारिज किया जाता है। पत्रावली तलकी कि को तलकी कि वास्तु प्रेषा हो।

**अखण्ड अधिकारी**  
**द्वारा (मुद्रा)**